(ख) यदि हां, तो इसकी अनुमति किस प्रकार दी गई तथा भविष्य में वैगनों की कमी को टालने के लिए वैगन आर्डर के उचित आबंटन को सुनिश्चित करने हेतु क्या प्रक्रिया अपनाई जाएगी?

रेल मंत्री (श्री सी॰ के॰ जाफर शरीफ): (क) जी हां।

(ख) ऐसे मामलों में लागू मानक मानदण्डों के अनुसार निविदा को अंतिम रूप देते समय सभी पहलुओं जिनमें निविदाकार की क्षमता भी शामिल है, को ध्यान में रखा जाएगा।

Fashion shows on board the trains

7200. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAJUBHAI A. PARMAR:
Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the report which appeared in the 'Times of India' dated April 7, 1995 captioned, "Train turns into Catwalk", revealing proposals for unique fashion shows on board the Delhi-Chandigarh Shatabdi Express down, the aisles of the train and subsequent telecast thereof on TV network, including Doordarshan;

(b) if so, what are the details of the projected fashion shows on board the train; and

(c) whether similar fashion shows are also proposed to be launched on various other tourist-special trains?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI G K. JAFFER SHARIEF): (a) Yes, Sir.

(b) The Railways were approached by a private agency M/s. Solid Action, New Delhi with a request for film shooting of a Fashion show on board 2005 Shatabdi Express running between New Delhi and Chandigarh/Kalka. Permission for the same was granted on specific terms and conditions. All the formalities and precautions were observed before giving permission. In addition, a surcharge was also taken from the party. Safety and security arrangements were ensured.

(c) No request has been received from any agency on date for a similar event. On receipt of any request, each case will be examined separately on merits.

रेलवे के निर्माण एककों का कार्य-निष्पादन

7201. श्री अजीत जोगी:
श्री मूलचंद मीणा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान रेलवे के अंतर्गत प्रमुख निर्माण एककों के कार्य-निष्पादन की स्थिति क्या रही है;

(ख) क्या हाल ही में उनके कार्य-निष्पादन की कोई समीक्षा की गई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) वर्ष 1995-96 के दौरान प्रस्तावित परिव्ययों के लिए क्या प्रावधान किए गए हैं;

(ङ) वर्ष 1995-96 के दौरान निर्माण कार्य के आधुनिकीकरण, क्षमताओं के विस्तार, परियोजनाओं के विविधीकरण तथा नई परियोजनाओं की स्थापना हेतु, पृथक-पृथक कितनी धनराशि प्रदान की गई है; और

(च) इस संबंध में प्रस्तावित संयुक्त उद्यमों तथा विदेशी पूंजी निवेश का ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री सी॰के॰ जाफर शरीफ): (क) से (ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान रेलों की मुख्य निर्माण इकाइयों का कार्य-निष्पादन संतोषजनक रहा है। उनके कार्य निष्पादन की समीक्षा प्रत्येक तिमाही को बोर्ड के प्रभारी सदस्य के स्तर पर की जाती है और पूरे बोर्ड द्वारा वार्षिक रूप से निर्माण कार्यक्रम बैठकों के दौरान की जाती है।

(घ) और (ङ) निर्माण संगठनों द्वारा निष्पादित की जा रही सभी चालू और नई परियोजनाओं के रेलों के लिए योजना शीर्ष-चार प्रावधान संसद को प्रस्तुत किए गए बजट प्रलेखों यथा 1995-96 के लिए निर्माण कार्य मशीन और चल स्टाक कार्यक्रम भाग-II में अंतर्विष्ट हैं। रेलों पर निर्माण कार्य पहले ही वर्तमान प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाता है और अपेक्षित आधुनिकीकरण सतत् प्रक्रिया के रूप में किया जाता है कार्य क्षमताओं के विस्तार के लिए मुहैया की गई राशि का अलग से पता नहीं लगाया जा सकता क्योंकि सभी कार्य में क्षमता का कुछ विस्तार अन्तर्निहित होता है।

(च) मानखुर्द-बेलापुर रेल परियोजनाएं मैसर्स सिडको के जरिए महाराष्ट्र राज्य सरकार की वित्तीय भागीदारी से शुरू की गई है, जिसमें परियोजनाओं की 67 प्रतिशत लागत मैसर्स सिडकों द्वारा वहन की जानी है 1995-96

के निष्पादित किए जाने हेतु विचाराधीन परियोजनाओं में से निम्नलिखित परियोजनाओं को भी मैसर्स सिद्धकों के साथ समझौते में भागीदारी के आधार पर शुरू करने का प्रस्ताव है :

(i) थाणे - तुर्भे - नेरूल
वाशी खण्ड

(ii) बेलापुर - पनवेल
दोहरी लाइन

उपर्युक्त संयुक्त उद्यम योजनाओं में कोई विदेशी पूंजी शामिल नहीं है।

रेलवे प्लेटफार्म पर प्याऊ खोलने की योजना

7202. **श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास रेलवे प्लेटफार्म पर स्वैच्छिक संगठनों/निजी कंपनियों द्वारा प्याऊ खोल सकने से संबंधित कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो उन स्टेशनों के नाम क्या-क्या हैं, जहां यह सुविधा उपलब्ध है; और

(ग) क्या सरकार इस योजना को प्रोत्साहन देने के लिए कोई विशेष कदम उठा रही है?

रेल मंत्री (श्री सी॰के॰ जाफर शरीफ): (क) जी हां।

(ख) एक विवरण संलग्न है। (नीचे देखिये)।

(ग) परम्परा के रूप में रेलें पीने के पानी के लिए विशेषकर गर्मी के मौसम के दौरान यात्रियों की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए प्लेटफार्मों पर पानी की कियोस्क (प्याऊ) खोलने के लिए स्वैच्छिक संगठनों/निजी पार्टियों की सहायता स्वीकार करती हैं। इसके अलावा, रेलें इच्छुक व्यक्तियों, व्यापारियों, उद्योगपतियों या कंपनियों को उनके खर्च पर किसी भी स्टेशन पर जलशीतकों की व्यवस्था करने हेतु अनुमति देने के लिए कहा गया है।

विवरण

उन स्टेशनों के नाम जहां पानी के कियोस्क (प्याऊ) खोले जाने या जल शीतकों की व्यवस्था किए जाने की अनुमति प्रदान की गई है, निम्नलिखित है:

मस्जिद, सैंडहर्स्ट रोड, कुर्ला, विद्याविहार, घाट कोपर, बदलता रोड, माटुंगा, मांडुप, मुलुंड, थाणे, डोम्बीवलि, कल्याण, विट्ठलवाड़ी, उल्हास नगर, भिवण्डी रोड, इगतपुरी, अकोला, चालीसगांव, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, बड़नेरा, हर्पड़ा, न्यू फरक्का, पटना, मोदी नगर, मुजफ्फर नगर, सोनीपत, नरेला, पानीपत, करनाल, नीलोखेड़ी, कुरुक्षेत्र, समालखा, रोहतक, गोहावा, जुलना, मान्सा, उचाना, मोर टीहाणा, वरेटा, गुरू हर सहाय, तलवण्डी, गुनियाना, मण्डी डब्वाली, हनुमान गढ़, तहसील पट्टा, अहायपुर, मण्डी आदमपुर, कालनवार, रमन, गुड़गांव, श्रीडूगर गढ़, रत्तन गढ़, सुजान गढ़, लाडून, पाली मारवाड़, नागौर, नोखा, मिलंग, देगाना, गाच्छी पुर, माकलसर, मारवाड़ भीमवाल, डिडवाना, तलवाड़ा झील, महेन्द्र गढ़, मद्रास सैंट्रल, पलवनथंगाल, शिवाकांसी, परभनी, औरंगाबाद, हुबली, दुर्ग, रायगढ़, भाटापाड़ा, रायपुर, बिलासपुर, चम्पा, अनूप नगर, खसिंया, विजय नगरम, झारसुगुड़ा, राऊरकेला, मोण्डिया, डूंगरगढ़, राजनंदगांव, नागदा, विजय नगर, जयपुर, नदबई, झुंझुनू, डेबला, रींगस, श्री माधोपुर, सूरजगढ़ रानी, पलना, जवाली, सोजत रोड, जवाई बंध, पोरबंदर।

Value of Scrap and waste in the Railways

7203. SHRI RAHMAN KHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what is the method of inventory valuation of the Railways, as shown in the annual report and annual accounts;

(b) how the generation of scrap is being accounted in the annual accounts and whether the inventory includes the value of scrap; and

(c) what is the total amount realised by the Railways from the sale of scrap and waste, zone wise, during 1992-93, 1993-94 and 1994-95?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) "Turn Over Ratio (TOR)" is the main efficiency indicator of inventory performance and is the percentage ratio of the value of Stock held at the close of financial year i.e. 31.3.94 to total material consumed/issued to the indenters during the financial year i.e. 1993-94. The figures given below clarify the inventory valuation for the